International Parkinson and Movement Disorder Society

अंतर्राष्ट्रीय पार्किन्सन तथा टिक्स एवं टूरेट सिंड्रोम : शारीरिक हरकत की असामान्यता, रोगियों के लिए आवश्यक तथ्य संस्था

टिक्स क्या है?

टिक्स शारीरिक हरकत हैं, जिससे रोगी सदैव उसे नियंत्रण नहीं कर पाता है। अक्सर हरकत की तीव्र इच्छा या आवश्यकता होती है जिससे रोगी को हरकत करने के बाद आराम मिलता है। हरकत को कभी कभी कुछ समय के लिए रोका जा सकता है जैसे की:

- अचानक, तेज़
- दोहराव और रूढीबद्ध (हर बार समान)
- उद्देश्य या ताल की कमी
- वे सरल या जटिल भी हो सकते हैं

सरल टिक्स अचानक से प्रकट होते हैं और सामान्य तौर पर कई हफ्ते या महीनें तक रहते हैं। सरल मोटर टिक्स सबसे आम में शामिल हैं : आँखों का पलक झपकना, भौंहें उठाना, कन्धा सिकोड़ना, मुड़ना या सर तथा गर्दन को झटका देना।

आम सरल वोकल टिक्स हैं: गला साफ़ करना, खांसना, सूंघना और जम्हाई लेना।

जटिल टिक्स में अत्यधिक उद्देश्यपूर्वक हरकत शामिल हैं : मुख विरूपता, थपथपाना, विशिष्ट तरीके से चलना या चक्कर लगाना, कूदना, लात मरना या मुक्का मारना। जटिल वोकल टिक्स में शामिल हैं: कई ध्वनियों का निर्माण करना, दोहराए जानेवाले शब्दांश, शब्द या वाक्यांश (इकोलिया), शायद ही कभी सामाजिक रूप से वर्जित शब्द अथवा वाक्यांश को कहना (कोप्रोलिया)।

टूरेट सिंड्रोम क्या है?

टूरेट सिंड्रोम (टीएस) को गिल्स डे ला टूरेट सिंड्रोम भी कहा जाता है। यह एक ऐसा विकार है जो चार से छः वर्ष के बीच में प्रारंभ होता है और दस से बारह वर्ष के बीच में तीव्र हो जाता है। परिभाषा के अनुसार टिक्स 18 वर्ष से पहले ही प्रारंभ होना चाहिए। टीएस विकार महिलाओं से ज़्यादा पुरुषों में अत्यधिक आम पाई जाती है। टीएस के रोगी दोनों मोटर एवं वोकल टिक्स का अनुभव करते हैं, सरल या जटिल और ये एक वर्ष से अधिक समय तक चलता है । बर्ताव की समस्यायें, और साथ ही चिंता और जुनूनी बाध्यकारी व्यव्हार भी शामिल हो सकते हैं।

टिक्स और टीएस के क्या कारण हैं?

टिक्स और टीएस के कारण का पता नहीं है। टिक्स और टीएस अक्सर वंशानुगत अर्थात एक परिवार में साथ पारित हैं।

क्या सभी टिक्स टूरेट सिंड्रोम हैं?

टिक्स के साथ सभी लोगों को टीएस नहीं रहती है। टीएस का निदान करने के लिए एक से ज़्यादा टिक्स की आवश्यकता होती है, इसके साथ ही वोकल टिक्स एक वर्ष से ज़्यादा रहती है। वैसे टिक्स आम हैं, एक अनिश्चित समय पर पांच बच्चों में से एक को टिक हो सकती है। टीएस बहुत कम आम है।

इसका कोई इलाज है?

अक्सर टिक्स के लिए चिकित्सा की आवश्यकता नहीं रहती है। मोटर टिक्स, वोकल टिक्स, और टीएस रोगियों को टिक्स का असर उनके सामाजिक तथा भावनात्मक प्रभाव पर निर्भर करता है। यदि टिक्स संकट या गतिविधियों में हस्तक्षेप नहीं करता है, तो रोगियों के लिए केवल अच्छा सहयोग, शिक्षा और आश्वासन की आवश्यकता हो सकती है। रोगियों के इर्दगिर्द के लोगों को शिक्षित करने पर समझ को बढ़ाया जा सकता है तथा सामाजिक कलंक को कम किया जा सकता है। इसे चिकित्सक, मनोवैज्ञानिक तथा सामजिक कार्यकर्ताओं की निविष्टि का शामिल्तव होने की संभावना है। परिवार के सदस्य तथा शिक्षकों को सीखना चाहिए की टिक्स कैसे अनियंत्रक है ताकि उन्हें समझ में आये और बच्चों के आत्म-विशवास को ठेस पहुंचाने से रोक सके।

रोगियों को उनके चिकित्सकों से चिकित्सा के बारे में चर्चा करना चाहिए यदि टिक्स :

- महत्त्वपूर्ण परेशानी का कारण है
- दैनिक जीवन या शिक्षा में हस्तक्षेप
- सामाजिक अलगाव, बदमाशी या अवसाद का कारण है

कोम्प्रेहेंसिव बिहेवियरल इंटरवेंशन फॉर टिक्स (सीबीआईटी) (टिक्स के लिए व्यापक व्यवहार हस्तक्षेप) उपचारों में एक है जो टीएस की चिकित्सा के लिए उपयोग किया जाता है। सीबीआईटी जागरूकता प्रशिक्षण और टिक की तीव्र इच्छा के लिए एक प्रतिस्पर्धी प्रतिक्रिया का निर्माण करना है। यदि एकल व्यवहार उपचार सफलतापूर्वक नहीं होने पर, कुछ औषधि-प्रयोग सहायक होंगे। औषधि-प्रयोग से कुछ अनचाहा साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं, इसलिए रोगियों को चिकितस्क के साथ निकटता से संपर्क में रहना चाहिए। औषधि-प्रयोग हैं – क्लोनिडाइन और गुआनफासिन, क्लोनाज़ेपम या अन्य उद्वेग की औषधियां (विशेषकर जब रोगी उद्विग्न हो) और मनोरोग प्रतिरोधी औषधियों का उपचार (वैसे साइड इफेक्ट्स का भी ध्यान रखना चाहिए) इसके अतिरिक्त, जो रोगि औषधि-प्रयोग में प्रतिक्रिया नहीं देते हैं, उन्हें गहरा मस्तिष्क उद्विद्ग्न की शल्यचिकित्सा करने का विचार किया जा सकता है।

टीएस सिंड्रोम क्यों तंत्रिका-मनोरोग विकार माना जाता है?

तंत्रिका-मनोरोग विकार तंत्रिका संबंधी विकार हैं जो बर्ताव पर असर करती है। 50% से ज़्यादा टीएस के रोगीयों को बर्ताव के लक्षण होते हैं जैसे की अटेंशन डेफिसिट / हाइपर एक्टिविटी डिसआर्डर (ध्यान की कमी/अति सक्रियता विकार) (एडीएचडी) और ओब्सेसिव कम्पल्सिव डिसआर्डर (ओसीडी) (अनियंत्रित जुनूनी विकार)। रोगीयों को – अवसाद, आवेगी व्यवहार, व्यक्तित्व विकार, जान-बूझकर खुद को नुक्सान पहुंचाना तथा नींद संबंधी विकारों का अनुभव भी करते हैं। इन विकारों के लिए चिकित्सा उपलब्ध हो सकते हैं, आपको चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए।

International Parkinson and Movement Disorder Society
555 East Well Street, Suite 1100 • Milwaukee, WI 53202 • +1 414-276-2145 • www.movementdisorders.org
Copyright © 2022 International Parkinson and Movement Disorder Society (MDS). All rights reserved.

MDS-0122-438

रोगियों की अपेक्षा क्या होती है जब वे टिक्स या टीएस से जुड़े रहते हैं?

टिक्स अक्सर अल्पकालिक रहते हैं। रोगीयों में उनकी आयु की वृद्धि के साथ साथ टिक्स एवं टीएस भी गायब हो जाते हैं, तथा कई मामलों में, प्रौढ़ आयु में पूर्ण रूप से गायब हो जाते हैं।

Copyright © 2022 International Parkinson and Movement Disorder Society (MDS). All rights reserved.

MDS-0122-438